

न्यायालय उप जिला कलक्टर टोंडगीम जिला करौली

क्रमांक 157/2017

पीठाधीन अधिकाधी-

जनदीश आर्द आर.ए.एन

आरीख रकू- 28.12.2017

धार्मिक पुत्र विधवा गति शीकीदार कीम विधवा कीम विधवा टोंडगीम जिला करौली

उपस्थान

काम

(पदी)

1. विधवा पुत्र भीरवा गीना विधवा शहीदा टोंडगीम
2. कल्ल पुत्र भीरवा कीम विधवा कीम टोंडगीम

(प्रतिवादीना)

दाया वाला स्वार्द निकेलाडा

उपस्थिति- श्री सुरेश धन् एडवोकेट (पदी)

निर्णय

दिनांक- 25.08.2018

प्रकारण सोप ने इस प्रकार है कि आरती 2000 249 शमा 0.09 ही 10 मय शीरव वरिष्ठी टोंडगीम ने पदी य उराके स्वर्द सापुल विले के साक्षर करारार है। प्रतिवादी भाग का उला भूति से किसी प्रकार का कोई संभव नहीं है। प्रतिवादीना तबल सुपार्द विवेक के कलिना वसे य धरे वने कलिना है। किलेने एक विवेक आरती के रखा है। कमा के वरीमण को स्वत आरती से देखात कर सापुल आरती पर कल्ला करना गारती है। गला दिनांक 08.08.2017 के पदी आरती आरतीना की देखभाल कर रहा था। कि प्रतिवादीना एक टैक्टर ट्राकी नेकर आने रखा फरर करती वने। गदी के सपनामा नि देना अने कर रहे ही इस आरतीना से सुधार कोई संभव नहीं है। कला गुनने ही प्रतिवादीना नासव से नसे और कलेने लगे कि यह आरतीनाइ हमारे परण की है। कुछ चाहिए तो से तो नहीं तो उप उरने निर्णय करेने गदी एव नगलना कलिना से प्रतिवादीना को सपाने का प्रगत विवेक किन्तु ये विले की बात मानने की शकत नहीं है। जवरती कल्ला कले का अमाना है। यदि प्रतिवादीना अपनी इस केर कानूनी कुलेना के कायावर से गने तो गदी को अनुतिनीय शीत शीत। इस कल्ल दाया धेन करेना आरतीना हुआ है। आ दाया वदी कलिनाक प्रतिवादीना डिन्डे फरराया जाकर प्रतिवादीना को फरर करमाव गी। कि ये आरतीनाक उरना 249 रकम 0.09 मय शहीदा पदगीत टोंडगीम ने पदी के कले य विले की आरती ने कल्लाया फररररर नहीं कने। आरती के कोई निर्णय नहीं कने।

दाया एवं शीरवर कर प्रतिवादीना को सपान करती कर तलर किना गला। प्रतिवादीना कल्लूर सुला उपस्थित नहीं हुए इस कारण उनके विवेक एक धीम कांधवती की वरु। पत्राकी सारवा लोक अराला स्वय भागके एव केव के सुनार्द के विवे विवा की वरु। वदी एव प्रतिवादी विधवा उपस्थित आए वदी ने कल्ल किना कि प्रतिवादी नेने उरती व विले की सुनि को कल्लरती इरररर

25/08/2018
श्री सुरेश धन् एडवोकेट

धारणा है। इसलिए इन्हे स्वार्थ शिक्षाया से वाबन्द करवाया जावे। प्रतिवादी निम्नान्न
जमीन का सीमाशासन कराने का अग्रज किया।

दोनों पक्षकारान को सुनकर पत्रावली का अवलोकन कर भवभेक्षण से
जानकारी करने पर पाया कि आरजी 20070 249 रकबा 0.09 है0 बादी एवं उत्तर्क
भार्दवा की खातेदारी की भूमि है। प्रतिवादी गण का किसी प्रकार का कोई संबंध नहीं
है।

अतः दाय्या खटिलान्न प्रतिवादी दाय्य टिकी करने सेग्य एवं जाने से टिकी
किया जाता है। प्रतिवादीगण को स्वार्थ शिक्षाया से वाबन्द किया जाता है। कि
आरजी 20070 249 रकबा 0.09 है0 अग खातेदारी दाय्यगीम से बादीगण के
बाले करारा की भूमि से गणभनत म्पावतला न करे और नहीं किसी प्रकार का निर्भंग
करें। न ही किसी अन्य से करवावे। पत्रा टिकी जाती है0

यह निर्णय आज दिनांक 26.06.2018 को लिखाया जाकर सुले न्यायालय
शिबिर खातेदारी से सुनाया गया।



(प्राथमिक आवे)
उपनिष्ठा न्यायालय
दाय्यगीम खातेदारी